फसल के मुआवजे के लिए किसानों का प्रदर्शन

मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन, कहा– अतिवृष्टि से खराब हो गई फसलें

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 14 जुलाई. पिछले करीब एक माह से लगातार क्षेत्र में हो रही तेज बारिश के चलते किसानों की सोयाबीन, मक्का, उड़द की फसल को भारी नुकसान हुआ है. खेतों में जलभराव के चलते फसले सड़ गल गई हैं.

सैकड़ो एकड़ भूमि पर बोई गई उक्त फसलों के नुकसान की भरपाई को लेकर सोमवार को किसान संगठन के बैनर तले संगठन के अध्यक्ष किसान नेता सौरभ शर्मा के नेतृत्व में प्रभावित किसानों में हरिशंकर शर्मा , प्रदीप करोलिया, तुलाराम , मोहर सिंह , अवध नारायण , मोनू कुशवाहा , महेश ,अमित , शंकर लाल , हरिदास , राजू चौरसिया , लखन सिंह , कन्हैयालाल, दामोदर , रामशंकर इत्यादि सहित करीब दो सौ .किसानों ने जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन के साथ तहसील कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन तहसीलदार प्रमोद कुमार उइके को दिया.

किसानों ने ज्ञापन में मांग की गई है कि पिछले करीब एक माह से लगातार हो रही वर्षा के चलते उनकी सोयाबीन ,मक्का एवं उड़द की फसल नष्ट हो गई है और महंगा खाद बीज लेकर उक्त फसलों की बुआई की थी. उस पर उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है. जिसकी भरपाई के लिए प्रभावित किसानों का पारदर्शिता के साथ सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिया जाए ताकि आर्थिक रूप से टूट चुके किसान संभल सके और अतिवृष्टि से खराब हो चुकी इन फसलों से बर्बाद हुए किसान अगली फसल लेने की तैयारी कर सके.

> तहसीलदार प्रमोद कुमार उइके ने बताया कि किसानों ने मुआवजे की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम जो ज्ञापन दिया है, वह मुख्यमंत्री तक पहुंचा दिया जाएगा और उनसे निवेदन भी किया है कि वर्तमान में फसल बीमा योजना चल रही है, वह उसका भी वह लाभ ले सकते हैं. इसके साथ ही कृषि विभाग को निर्देशित किया गया है कि किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ दिलाने के लिए उनका पंजीयन कराएं.

साईं विहार कॉलोनी में बनेगी सीमेंट कांक्रीट सड़क

रायसेन, 14 जुलाई. नगर पालिका परिषद द्वारा शहर के वार्ड चार कलेक्टर बंगले के पीछे साँईं बिहार कॉलोनी में सीमेंट कांक्रीट सड़क बनेगी.इसके लिए कॉलोनी के रहवासियों द्वारा नपाध्यक्ष सविता जमना सेन, नपा सीएमओ सुरेखा जाटव के प्रति आभार माना है .नगर के वार्ड क्रमांक 4 में साई विहार कॉलोनी में सुनील माली के मकान से लेकर जीवन सिंह राय के मकान से अजीज भाई के मकान से प्रवीण मिश्रा के मकान तक और प्रवीण मिश्रा के मकान से लेकर शीला देवी के मकान तक, प्रवीण मिश्रा के मकान से आफताब पटेल के मकान तक एयू खान के मकान से नवेद खान के मकान तक सीसी रोड का भूमि पूजन किया गया. उक्त सीसी सड़क निर्माण कार्य की अनुमानित लागत राशि 33 लाख है .

शासकीय स्कूलों में बच्चों से लगवा रहे झाड़ू

बरेली, 14 जुलाई. सरकार सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए तमाम योजनाएं संचालित कर रही है प्रतिवर्ष अच्छे अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को लैपटॉप स्कूटी दी जा रही है. ताकि बच्चों का पढ़ाई के क्षेत्र में मनोबल बढ़े लेकिन क्षेत्र में शासकीय स्कूलों में बच्चों से झाड़ू लगवाई जा रही है तो कहीं भोजन के बाद बच्चों से बर्तन साफ करवाए जा रहे हैं.

मामला है ग्राम खरगोन के पीएम श्री एकीकृत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जहां एक छात्रा से झाड़ू लगवाई जा रही थी, इस दौरान एक मीडियाकर्मी के द्वारा उक्त कृत्य के वीडियो बनाए गए. जिन्हें डिलीट करने के लिए स्कूल प्रबंधन के द्वारा धमकी दी गई. एवं रिपोर्ट डालने की बात भी कही गई.

हालांकि स्कूलों की बदहाल स्थिति को लेकर पूर्व में मध्यप्रदेश के शिक्षामंत्री राव उदयप्रताप सिंह ने बरेली के खुले मंच से स्वीकार किया था कि में ऐसे पांच सौ शिक्षकों को जानता हूं जो अपनी जगह दूसरों से पढ़ाई करा रहे हैं . उनकी इस स्वीकार्यता और कोई कार्यवाही न होने का ही परिणाम है कि आज शिक्षा का स्तर निम्न स्तर से भी नीचा चला गया.

पीएम श्री एकीकृत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खरगोन में स्कूल की व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे पत्रकार ने बच्चों को झाड़ू लगाते हुए अपने कैमरे में कैद किया. और परिसर में फैली गंदगी भी कैमरे में कैद हुई.

स्कूल में पत्रकार होने की जानकारी जैसे ही प्राचार्य को मिली और वह शाला पहुंचे और पत्रकार से चर्चा पूर्व ही उन्होंने धमकाना शुरू कर दिया. जब इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी डीडी रजक से चर्चा करना चाहा तो उनका फोन रिसीव नहीं हुआ.

वीडियो के आधार पर उच्च स्तर पर की जाए जांच

इस संबंध में प्रभारी प्राचार्य नारायण सिंह बुनकर से चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि यह बच्चे हमारे स्कूल के नहीं हैं, नहीं यह स्कूल हमारा है और यह वीडियो भी किसी अन्य स्कूल का है. पूरे मामले मैं प्रभारी प्राचार्य के द्वारा स्कूल प्रबंधन की गलती मानने से इनकार किया गया. यदि इस पूरे मामले में वीडियो के आधार पर उच्च स्तर से जांच हो जाए तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा.

एक नजर में

पुलिस की कॉम्बिंग गस्त से अपराधियों में हड़कंप

सिलवानी. स्थानीय पुलिस की कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है . पुलिस ने कॉबिंग गस्त के दौरान 3 वारंटियों को पकड़ने में सफलता प्राप्त की . जानकारी के अनुसार शनिवार - रविवार की रात पुलिस अधिक्षक पंकज कुमार पाण्डेय के निर्देशन में एसडीओपी अनिल मौर्य, थाना प्रभारी पूनम सविता के नेतृत्व में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक स्थाई वारंटी तथा दो अन्य मामलों के फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया . वांरटियों व अन्य अपराधियों को पकड़े जाने का अभियान रात 12 बजे से सुबह 5 बजे तक चला . इसके अतिरिक्त पुलिस के द्वारा वाहनों की चैकिंग अभियान भी चलाया जा रहा है .इसके तहत चालानी कार्रवाई कर वाहन चालकों से 12 हजार रुपए वसूले गए तथा समझाइश भी दी गई . थाना प्रभारी पूनम सविता ने बताया अपराध मुक्त बनाना और समाज में शांति एवं सुरक्षा की भावना मजबूत करना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है . ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी . इससे आम लोगों में सुरक्षा कर भावना का विकास हुआ और अपराधियों में डर का माहौल बना है .

पंचामृत से भगवान भोलेनाथ का किया अभिषेक

सिलवानी. भगवान भोलेनाथ का प्रिय माह सावन आरंभ हो गया है . सावन के प्रथम सोमवार को शिवालयों में भक्तो की भीड़ देखी गई . श्रद्धालुओं के द्वारा विधि विधान के साथ भगवान शिव की पूजा अभिषेक आरती की गई . सुबह से ही श्रद्धालु हाथों में पूजन सामग्री का थाल थामे बम बम भोले का जयकारा लगाते हुए शिवालय पहुंचे तो समूचा माहौल शिवमय हो गया . बजरंग चौराहा स्थित अनगढ़ हनुमान मंदिर के पुजारी संजय शास्त्री सरस्वती नगर ने बताया कि सावन माह का प्रथम सोमवार श्रद्धा व भक्ति के साथ मनाया गया . शिवालयों में पहुंचे श्रद्धालुओं के द्वारा भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर अनुष्ठान किए . यहां पर भक्तो के द्वारा दूध, दही, घी, शहद व मिश्री से तैयार पंचामृत से अभिषेक किया . तथा चंदन, बिल्व पत्र, चावल, जनेऊ, आंकड़े के फूल, धतूरा, मिठाई, दूर्वा, अबीर, गुलाल अर्पित किए . सावन माह में शिवालयों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है .

नदी में बाइक बही, युवक की बची जान

सिलवानी. बरसात का पानी रिपटे पर होने के बाद भी एक युवक ने लापरवाही बरतते हुए बाइक को रिपटे पर डाल दी . पानी का बहाव तेज होने के कारण बाइक पानी में फिसल गई, जैसे तैसे युवक तेज बहाव से बच कर नदी के बाहर आ गया लेकिन बाइक बह गई . हादसा रविवार की रात सिविल अस्पताल सिलवानी के पास का हैं जहां कि बेगम नदी पर रिपटा बना हुआ है . इस रिपटे पर नदी के पानी का बहाव तेज था . हालांकि प्रशासन लगातार लोगों से रिपटे व पुल पर नदी के उफान का पानी होने पर उसे पार ना करने का आग्रह कर रहा है, बावजूद भी नागरिक अपनी जान की परवाह ना करते हुए उफनते हुए नदी नाले पार कर रहे है . लापरवाही कभी भी जान लेवा साबित हो सकती है . ज्ञात रहे कि बीते कई दिनो से लगातार बारिश हो रही है . नदी नाले उफान पर है . लगातार बारिश से जन जीवन अस्त व्यस्त हो रहा है .

लावारिस मवेशी राहगीरों पर कर रहे हमला

बेगमगंज, 14 जुलाई. नगर में लावारिस मवेशियों की बढ़ती संख्या एवं राहगीरों पर किए जा रहे हमलों से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है , आमजन भारी परेशान हैं . विशेषतौर पर स्कूल जाने वाले मासूम बच्चे, जिन्हें इनके हमलावर होने का खतरा बना रहता है . नगर के मुख्य मार्ग सागर - भोपाल रोड, पुराना बस स्टैंड, नया बस स्टैंड, पक्का फाटक रोड , खिरिया नारायण दास रोड , सिविल अस्पताल प्रांगण, मेनरोड गांधी बाजार , सब्जी मार्केट ,वार्ड 18 श्याम नगर सहित नगर के अन्य वार्डों में भी रहवासी इन दिनों रातदिन विचरण करते लावारिस पशुओं की समस्या से बेहद परेशान हैं .

लगातार बारिश से सौ से अधिक घर क्षतिग्रस्त

मुआवजे के लिए तहसील कार्यालय को मिले सौ से अधिक आवेदन

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 14 जुलाई. बेगमगंज तहसील में 16 जून से लगातार हो रही, कभी तेज तो कभी मध्यम वर्षा से जनजीवन अस्तव्यस्त चल रहा था. तहसील में नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र में करीब सौ. से अधिक घरों की दीवारें एवं छप्पर क्षतिग्रस्त होने के आवेदन आए हैं.

वहीं किसानों की सोयाबीन , मक्का एवं उड़द की फसल खेतों में बहुत ज्यादा जलभराव होने के कारण गल कर सड़ गई है. पिछले 12 दिन से चारों तरफ के नदी नाले उफान पर थे. बेगमगंज की जीवनदायिनी सेमरी एवं बीना नदी पूर्व दिशा में एवं पश्चिम दिशा में बहने वाली इन दोनों नदियों पर बने रपटे एवं पुल पुलिया एक माह में कई बार जल मग्न हुई. जिससे कई बार मार्ग बंद होने से आवागमन बंद हो गया था . क्षेत्र में रविवार की शाम से वर्षा थम गई है.

सोमवार की सुबह जरूर हल्की-फुल्की बूंदाबांदी हुई, लेकिन दोपहर होते-होते आसमान साफ होने के बाद सूर्यदेव ने दर्शन दिए, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली, उनके चेहरों पर खुशी छा गई है. पिछले एक माह से लगातार वर्षा होने के कारण सूर्यदेव के दर्शन दुर्लभ हो गए थे और चारों ओर पानी ही पानी होने से हाहाकार मच गया था. वहीं अतिवृष्टि के चलते कई गरीबों के घरों की दीवारें एवं छप्पर गिरने से उन्हें आर्थिक नुकसान के साथ बरसते पानी में बहुत ज्यादा परेशानी हुई.

> नगर के अन्य वार्डों से भी दर्जनों घरों के क्षतिग्रस्त होने के आवेदन मुआवजे के लिए तहसील कार्यालय में जमा हुए हैं . ऐसे आवेदनों की संख्या 100 से ऊपर पहुंच चुकी है . प्रभावित व्यक्तियों को क्षतिग्रस्त हुए अपने घरों की मरम्मत के लिए सहायता राशि की दरकार है . इस संबंध में एसडीएम सौरभ मिश्रा ने बताया कि सभी पटवारियों को संबंधित आवेदनों के आधार पर सर्वे करने के निर्देश दिए गए थे .जिन्होंने सर्वे करने के पश्चात अपने जांच प्रतिवेदन जमा कर दिए हैं . पीड़ित प्रभावित व्यक्तियों को शासन की गाइडलाइन के अनुसार मुआवजा दिया जाएगा .

शिवालयों में हुआ जलाभिषेक

बेगमगंज, 14 जुलाई. श्रावण मास के पहले सोमवार को क्षेत्र प्रसिद्ध श्रीनीलकंठेश्वर धाम हरदौट में सैकड़ो शिवभक्तों ने पहुंचकर विशेष पूजा-अर्चना के बाद जलाभिषेक किया.

वहीं नगर के गांधी बाजार में स्थित सुप्रसिद्ध बड़ा शिवालय मंदिर , झिरिया मंदिर , खिरिया नारायण दास टेकरी मंदिर, त्रिवेणी आश्रम , कोहनियां -मोहनिया शिव मंदिर सहित तहसील के राजस्व रिकॉर्ड में पंजीकृत 95 शिव मंदिरों में भगवान भोलेनाथ नाथ की भक्ति में लीन हजारों भक्तों की भीड़ रही. जिन्होंने भोलेनाथ की विशेष पूजा-अर्चना के साथ जलाभिषेक किया.

हर-हर महादेव की गूंज के साथ जयकारों एवं शिवलिंगों की पूजा -अर्चना एवं जलाभिषेक के साथ जगह - जगह भक्तों द्वारा हजारों शिवलिंगों की रुद्रियों का निर्माण किया जा रहा है. भक्त भगवान शिव की कृपा पाने के लिए व्रत और पूजा कर रहे हैं. मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए ऐसा माना जाता है कि श्रावण में सोमवार का व्रत रखने और भगवान शिव की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं.

नई पीढ़ी मोबाइल में व्यस्त, सावन के झूले गायब

झूले की यह सदियों पुरानी परंपरा धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है

नवभारत न्यूज

सांईखेड़ा, 14 जुलाई. सावन माह की शुरुआत होते ही कभी गांवों और कस्बों की गलियों, चौपालों और बगीचों में झूलों की बहार दिखाई देती थी. हर दिशा से लोकगीतों की गूंज सुनाई देती थी. सावन का पहला सोमवार झूले की रस्म से शुरू होता था, लेकिन आज यह दृश्य इतिहास की बात बनती जा रही है. क्षेत्र में अब झूले की यह सदियों पुरानी परंपरा धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है.

पहले सावन लगते ही पेड़ों पर झूले टांगने की होड़ लग जाती थी. बच्चे, युवतियां और महिलाएं समूह में गीत गाते हुए झूले झूलती थीं. काहे को डोले रे अमवा की डाली, झूला झूलो, सावन आया जैसे गीत सावन को जीवंत बना देते थे. मगर अब गांवों में भी बमुश्किल कोई एक दो झूले दिखाई देते हैं.

नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में अनेक कई गांवों में पहले हर साल पेड़ों पर दर्जनों झूले बांधे जाते थे, लेकिन अब पेड़ भी कम हो गए हैं और उनके नीचे जुटने वाले लोग भी. गांवों का तेजी से शहरीकरण, पेड़ों की कटाई और खाली स्थानों की कमी ने भी इस संस्कृति को पीछे धकेला है. स्थानीय समाजसेवियों और बुजुर्गों का कहना है कि अगर हम अपनी सांस्कृतिक धरोहर को नहीं बचाएंगे, तो आने वाली पीढ़ियों को सिर्फ किताबों में सावन के झूले मिलेंगे. इसके लिए गांवों में स्कूलों, पंचायतों और सामाजिक संगठनों को मिलकर काम करना होगा, ताकि इस लोक परंपरा को फिर से जीवित किया जा सके.

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि स्थानीय प्रशासन और सांस्कृतिक विभाग इस दिशा में पहल करे, तो झूला उत्सव को एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के रूप में पुनर्जीवित किया जा सकता है. पंचायतें भी ग्राम स्तर पर झूला महोत्सव आयोजित कर युवाओं को जोड़ सकती हैं.

लापरवाही मिनी पचमढ़ी में सेल्फी, पिकनिक के चक्कर में जा चुकी हैं कई जिंदगियां

मौत का ब्लू वॉटरफॉल, रोक के बाद भी लोगों की भीड़

अदनान खान, नवभारत

सलामतपुर, 14 जुलाई. रायसेन जिला मुख्यालय से लगभग 35 किलोमीटर दूर हलाली डैम के पास स्थित छोटी पचमढ़ी ब्लू वॉटरफॉल, जिसे लोग मिनी पचमढ़ी के नाम से जानते हैं, इन दिनों सैलानियों का प्रमुख आकर्षण बनी हुई है. चारों ओर फैली हरियाली, ऊँची-ऊँची पहाड़ियां और उनके बीच गिरते झरनों का दृश्य लोगों को अपनी ओर खींच रहा है.

हालांकि, बरसात के मौसम में प्रशासन ने यहां जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है, बावजूद इसके लोग अपनी जान जोखिम में डालकर पिकनिक मनाने पहुंच रहे हैं. लगातार बारिश के कारण रायसेन जिले में नदी-नाले उफान पर हैं, और पहाड़ियों से गिरते झरनों का सौंदर्य इन दिनों चरम पर है. भोपाल से महज 40 किलोमीटर और रायसेन से 35 किलोमीटर दूर इस पर्यटन स्थल का प्राकृतिक सौंदर्य देखने लायक है. यहां करीब 60 फीट की ऊंचाई से गिरते झरने और हरियाली से लिपटी पहाड़ियां हर किसी का मन मोह रही हैं. खास बात यह है कि इस झरने का पानी ऊपर से गिरते समय सफेद दिखाई देता है, लेकिन नीचे पहुंचते ही नीला रंग दिखाई देता है, जिसे लोग ब्लू वाटर के नाम से जानते हैं.

रविवार और छुट्टी के दिन बड़ी संख्या में पर्यटक भोपाल, विदिशा, रायसेन सहित आसपास के इलाकों से यहां पहुंचते हैं. प्रशासन और पुलिस की चेतावनी के बावजूद लोग खतरों की परवाह किए बिना यहां पिकनिक मनाने आते हैं. बीते वर्षों में यहां कई हादसे हो चुके हैं, जिनमें भोपाल से आए 3 युवकों की एक साथ डूबकर मौत भी शामिल है. इसके बावजूद लोग पहाड़ियों से उतरकर पानी में जाने से नहीं चूक रहे. प्रशासन की ओर से बरसात के दौरान प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद यहां लोगों की भीड़ कम नहीं हो रही है. पुलिस द्वारा लगातार समझाइश दी जा रही है, लेकिन सैलानी जोखिम उठाकर पहुंच रहे हैं. हर साल ऐसे हादसे होने के बाद भी लोग सबक नहीं ले रहे.

इनका कहना है

शनिवार-रविवार के दिन सलामतपुर थाना अंतर्गत आने वाले हलाली डेम क्षेत्र में पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है . और पुलिस बार-बार क्षेत्र का निरीक्षण कर लोगों को हलाली डेम के गहरे पानी मे नहाने से मनाकर समझाइश दे रही है . सोमवार के दिन भी पुलिस ने मिनी पचमढ़ी क्षेत्र का निरीक्षण कर पिकनिक मनाने आए युवकों को समझाइश दी है .

दिनेश सिंह रघुवंशी, थाना प्रभारी सलामतपुर .

दो वर्ष पहले हलाली डेम के पास मिनी पचमढ़ी के कुंड में भोपाल अशोका गार्डन क्षेत्र के तीन युवकों ने सेल्फी लेने के चक्कर में पैर फिसल जाने के कारण डूबने से अपनी जान गवां दी थी . डेम पर सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं है . इसलिए यहां पर कोई न कोई दुर्घटना हर सप्ताह होती है .

कालूराम मीणा, सरपंच ग्राम पंचायत खोहा .

नदी में बहा शव मिला , मृतक की शिनाख्त हुई

बेगमगंज, 14 जुलाई. तीन दिन पूर्व बीना नदी में एक युवक का शव तेज वहाब में बहता हुआ देखा गया था. सोमवार सुबह एसडीआरएफ टीम को खजूरिया घाट के पुल के नीचे तलाशी अभियान के दौरान पुल के मोहरों के नीचे झाड़ियों में फंसा शव मिल गया है. मृतक की शिनाख्त हरदयाल लोधी 24 वर्ष के रूप में की गई. थाना प्रभारी राजीव उइके ने बताया कि मृतक के भाई मोहन लोधी द्वारा 10 जुलाई को गुम इंसान कायम कराते हुए बताया था कि वह अपने भाई हरदयाल लोधी के साथ बाइक से उसकी ससुराल खेरी गए थे, भाई मोहन को उसकी ससुराल में छोड़कर वहां से बाइक से ही वापस अपने घर पेकलोन आने के लिए निकल आया था, लेकिन हरदयाल घर नहीं पहुंचा. मोहन लोधी द्वारा गुम इंसान कायम कराया था.